बड़ा ही सुंदर और अति मीठा था सतयुगी देवी झाड़
माया रावण ने आकर इसका सारा रूप दिया बिगाड़
देह अभिमान का कीड़ा लगते ही शुरू हुआ मुरझाना
देह के इतने सारे धर्मों से भी मुश्किल हुआ इसे बचाना
आत्मा का असली धर्म बताया शिव बाबा ने हमें आकर
कीड़ों का उपचार बताया मनमनाभव का मन्त्र बताकर
तो आओ अपनी मन बुद्धि को बाबा की याद में लगाएं
मनमनाभव मन्त्र से खुद को देहभान के कीड़ों से बचाएं
ॐ शांति